

॥ जापु साहिब ॥

# ॐ १ओंकार सतिगुर प्रसादि ॥

॥ जापु ॥

स्त्री मुखवाक पातिसाही १०  
छपै छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

चक्क्र चिहन अरु बरन जाति अरु पाति नहिन जिह ॥  
रूप रंग अरु रेख भेख कोरु कहि न सकत किह ॥  
अचल मूरति अनभउ प्रकास अमितोजि कहिजै ॥  
कोटि इंद्र इंद्राण साहु साहाणि गणिजै ॥  
त्रिभवण महीप सुर नर असुर नेत नेत बन त्रिण कहत ॥  
तव सरब नाम कथै कवन करम नाम बरनत सुमति ॥ १ ॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

नमसत्त्वं अकाले ॥ नमसत्त्वं क्रिपाले ॥  
नमसतं अरूपे ॥ नमसतं अनूपे ॥ १।२।  
नमसतं अभेखे ॥ नमसतं अलेखे ॥  
नमसतं अकाए ॥ नमसतं अजाए ॥ २।३।  
नमसतं अगंजे ॥ नमसतं अभंजे ॥  
नमसतं अनामे ॥ नमसतं अठामे ॥ ३।४ ॥  
नमसतं अकरमं ॥ नमसतं अधरमं ॥  
नमसतं अनामं ॥ नमसतं अधामं ॥ ४।५ ॥  
नमसतं अजीते ॥ नमसतं अभीते ॥  
नमसतं अबाहे ॥ नमसतं अढाहे ॥ ५।६ ॥  
नमसतं अनीले ॥ नमसतं अनादे ॥  
नमसतं अछेदे ॥ नमसतं अगाधे ॥ ६।७ ॥  
नमसतं अगंजे ॥ नमसतं अभंजे ॥  
नमसतं उदारे ॥ नमसतं अपारे ॥ ७।८ ॥

नमसतं सु एकै ॥ नमसतं अनेकै ॥  
 नमसतं अभूते ॥ नमसतं अजूषे ॥८॥ ९ ॥  
 नमसतं त्रिकरमे ॥ नमसतं त्रिभरमे ॥  
 नमसतं त्रिदेसे ॥ नमसतं त्रिभेसे ॥९॥ १० ॥

नमसतं त्रिनामे ॥ नमसतं त्रिकामे ॥  
 नमसतं त्रिधाते ॥ नमसतं त्रिघाते ॥१०॥ ११ ॥  
 नमसतं त्रिधूते ॥ नमसतं अभूते ॥  
 नमसतं अलोके ॥ नमसतं असोके ॥११॥ १२ ॥

नमसतं त्रितापे ॥ नमसतं अथापे ॥  
 नमसतं त्रिमाने ॥ नमसतं निधाने ॥१२॥ १३ ॥  
 नमसतं अगाहे ॥ नमसतं अबाहे ॥  
 नमसतं त्रिबरगे ॥ नमसतं असरगे ॥१३॥ १४ ॥

नमसतं प्रभोगे ॥ नमसतं सुजोगे ॥  
 नमसतं अरंगे ॥ नमसतं अभंगे ॥१४॥ १५ ॥  
 नमसतं अगंमे ॥ नमसतसतु रंमे ॥  
 नमसतं जलासरे ॥ नमसतं निरासरे ॥१५॥ १६ ॥

नमसतं अजाते ॥ नमसतं अपाते ॥  
 नमसतं अमजबे ॥ नमसतसतु अजबे ॥१६॥ १७ ॥  
 अदेसं अदेसे ॥ नमसतं अभेसे ॥  
 नमसतं त्रिधामे ॥ नमसतं त्रिबामे ॥१७॥ १८ ॥

नमो सरब काले ॥ नमो सरब दिआले ॥  
 नमो सरब रूपे ॥ नमो सरब भूपे ॥१८॥ १९ ॥  
 नमो सरब खापे ॥ नमो सरब थापे ॥  
 नमो सरब काले ॥ नमो सरब पाले ॥१९॥ २० ॥

नमसतसतु देवै ॥ नमसतं अभेवै ॥  
 नमसतं अजनमे ॥ नमसतं सुबनमे ॥२०॥ २१ ॥

नमो सरब गउने ॥ नमो सरब भउने ॥  
 नमो सरब रंगे ॥ नमो सरब भंगे ॥२१॥ २२ ॥  
 नमो काल काले ॥ नमसतसतु दिआले ॥  
 नमसतं अबरने ॥ नमसतं अमरने ॥२२॥ २३ ॥

नमसतं जरारं ॥ नमसतं क्रितारं ॥  
 नमो सरब धंधे ॥ नमो सत अबंधे ॥२३॥ २४ ॥  
 नमसतं त्रिसाके ॥ नमसतं त्रिबाके ॥  
 नमसतं रहीमे ॥ नमसतं करीमे ॥२४॥ २५ ॥

नमसतं अनंते ॥ नमसतं महंते ॥  
 नमसतसतु रागे ॥ नमसतं सुहागे ॥२५॥ २६ ॥  
 नमो सरब सोखं ॥ नमो सरब पोखं ॥  
 नमो सरब करता ॥ नमो सरब हरता ॥२६॥ २७ ॥

नमो जोग जोगे ॥ नमो भोग भोगे ॥  
 नमो सरब दिआले ॥ नमो सरब पाले ॥२७॥२८॥

### चाचरी छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

अरूप हैं ॥ अनूप हैं ॥ अजू हैं ॥ अभू हैं ॥१॥ २९ ॥  
 अलेख हैं ॥ अभेख हैं ॥ अनाम हैं ॥ अकाम हैं ॥२॥ ३० ॥  
 अधे हैं ॥ अभे हैं ॥ अजीत हैं ॥ अभीत हैं ॥३॥ ३१ ॥  
 त्रिमान हैं ॥ निधान हैं ॥ त्रिबरग हैं ॥ असरग हैं ॥४॥ ३२ ॥

अनील हैं ॥ अनादि हैं ॥ अजे हैं ॥ अजादि हैं ॥५॥३३ ॥  
 अजनम हैं ॥ अबरन हैं ॥ अभूत हैं ॥ अभरन हैं ॥६॥ ३४ ॥  
 अगंज हैं ॥ अभंज हैं ॥ अझूझ हैं ॥ अझंझ हैं ॥७॥ ३५ ॥  
 अमीक हैं ॥ रफ़ीक हैं ॥ अधंध हैं ॥ अबंध हैं ॥८॥ ३६ ॥

त्रिबूझ हैं ॥ असूझ हैं ॥ अकाल हैं ॥ अजाल हैं ॥९॥ ३७ ॥  
 अलाह हैं ॥ अजाह हैं ॥ अनंत हैं ॥ महंत हैं ॥१०॥ ३८ ॥

अलीक हैं ॥ त्रिस्रीक हैं ॥ त्रिलंभ हैं ॥ असंभ हैं ॥ ११। ३९ ॥  
 अगंम हैं ॥ अजंम हैं ॥ अभूत हैं ॥ अछूत हैं ॥ १२। ४० ॥  
 अलोक हैं ॥ असोक हैं ॥ अकरम हैं ॥ अभरम हैं ॥ १३। ४१ ॥  
 अजीत हैं ॥ अभीत हैं ॥ अबाह हैं ॥ अगाह हैं ॥ १४। ४२ ॥  
 अमान हैं ॥ निधान हैं ॥ अनेक हैं ॥ फिरि एक हैं ॥ १५। ४३ ॥

### भुजंग प्रयात छंद ॥

नमो सरब माने ॥ समसती निधाने ॥  
 नमो देव देवे ॥ अभेखी अभेवे ॥ १। ४४ ॥  
 नमो काल काले ॥ नमो सरब पाले ॥  
 नमो सरब गउणे ॥ नमो सरब भउणे ॥ २। ४५ ॥  
 अनंगी अनाथे ॥ त्रिसंगी प्रमाथे ॥  
 नमो भान भाने ॥ नमो मान माने ॥ ३। ४६ ॥  
 नमो चंद्र चंद्रे ॥ नमो भान भाने ॥  
 नमो गीत गीते ॥ नमो तान ताने ॥ ४। ४७ ॥  
 नमो त्रित्त त्रित्ते ॥ नमो नाद नादे ॥  
 नमो पान पाने ॥ नमो बाद बादे ॥ ५। ४८ ॥  
 अनंगी अनामे ॥ समसती सरूपे ॥  
 प्रभंगी प्रमाथे ॥ समसती बिभूते ॥ ६। ४९ ॥  
 कलंकं बिना नेकलंकी सरूपे ॥  
 नमो राज राजेस्वरं परम रूपे ॥ ७। ५० ॥

नमो जोग जोगेस्वरं परम सिध्दे ॥  
 नमो राज राजेस्वरं परम ब्रिधे ॥ ८। ५१ ॥  
 नमो ससत्रपाणे ॥ नमो असत्रमाणे ॥  
 नमो परम गिआता ॥ नमो लोक माता ॥ ९। ५२ ॥  
 अभेखी अभरमी अभोगी अभुगते ॥  
 नमो जोग जोगेस्वरं परम जुगते ॥ १०। ५३ ॥  
 नमो नित्त नाराइणे क्रूर करमे ॥  
 नमो प्रेत अप्रेत देवे सुधरमे ॥ ११। ५४ ॥  
 नमो रोग हरता नमो राग रूपे ॥  
 नमो साह साहं नमो भूप भूपे ॥ १२। ५५ ॥  
 नमो दान दाने नमो मान माने ॥  
 नमो रोग रोगे नमसतं सनाने ॥ १३। ५६ ॥

नमो मंत्र मंत्रं ॥ नमो जंत्र जंत्रं ॥  
 नमो इसट इसटे ॥ नमो तंत्र तंत्रं ॥१४॥ ५७ ॥  
 सदा सच्चदानंद सरबं प्रणासी ॥  
 अनूपे अरूपे समसतुल निवासी ॥१५॥ ५८ ॥

सदा सिधदा बुधदा ब्रिध करता ॥  
 अधो उरध अरधं अघं ओघ हरता ॥१६॥ ५९ ॥  
 परं परम परमेस्वरं प्रोछपालं ॥  
 सदा सरबदा सिध्द दाता दिआलं ॥१७॥ ६० ॥  
 अछेदी अभेदी अनामं अकामं ॥  
 समसतो पराजी समसतसतु धामं ॥१८॥ ६१ ॥

### तेरा जोरु ॥ चाचरी छंद ॥

जले हैं ॥ थले हैं ॥ अभीत हैं ॥ अभे हैं ॥१॥ ६२ ॥  
 प्रभू हैं ॥ अजू हैं ॥ अदेस हैं ॥ अभेस हैं ॥२॥ ६३ ॥

### भुजंग प्रयात छंद ॥

अगाधे अबाधे ॥ अनंदी सरूपे ॥  
 नमो सरब माने ॥ समसती निधाने ॥१॥ ६४ ॥  
 नमसत्त्वं त्रिनाथे ॥ नमसत्त्वं प्रमाथे ॥  
 नमसत्त्वं अगंजे ॥ नमसत्त्वं अभंजे ॥२॥ ६५ ॥  
 नमसत्त्वं अकाले ॥ नमसत्त्वं अपाले ॥  
 नमो सरब देसे ॥ नमो सरब भेसे ॥३॥ ६६ ॥  
 नमो राज राजे ॥ नमो साज साजे ॥  
 नमो शाह शाहे ॥ नमो माह माहे ॥४॥ ६७ ॥  
 नमो गीत गीते ॥ नमो प्रीत प्रीते ॥  
 नमो रोख रोखे ॥ नमो सोख सोखे ॥५॥ ६८ ॥  
 नमो सरब रोगे ॥ नमो सरब भोगे ॥  
 नमो सरब जीतं ॥ नमो सरब भीतं ॥६॥ ६९ ॥  
 नमो सरब गिआनं ॥ नमो परम तानं ॥  
 नमो सरब मंत्रं ॥ नमो सरब जंत्रं ॥७॥ ७० ॥  
 नमो सरब द्रिस्सं ॥ नमो सरब क्रिस्सं ॥  
 नमो सरब रंगे ॥ त्रिभंगी अनंगे ॥८॥ ७१ ॥

नमो जीव जीवं ॥ नमो बीज बीजे ॥  
 अखिज्जे अभिज्जे ॥ समसतं प्रसिज्जे ॥१॥७२ ॥  
 क्रिपालं सरूपे कुकरमं प्रणासी ॥  
 सदा सरबदा रिधि सिधं निवासी ॥१०॥ ७३ ॥

### चरपट छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

अंम्रित करमे ॥ अंब्रित धरमे ॥ अखल्ल जोगे ॥ अचल्ल भोगे ॥ ७४ ॥  
 अचल्ल राजे ॥ अटल्ल साजे ॥ अखल्ल धरमं ॥ अलख्ख करमं ॥ ७५ ॥  
 सरबं दाता ॥ सरबं गिआता ॥ सरबं भाने ॥ सरबं माने ॥ ७६ ॥  
 सरबं प्राणं ॥ सरबं त्राणं ॥ सरबं भुगता ॥ सरबं जुगता ॥ ७७ ॥  
 सरबं देवं ॥ सरबं भेवं ॥ सरबं काले ॥ सरबं पाले ॥ ७८ ॥

### रूआल छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

आदि रूप अनादि मूरति अजोनि पुरख अपार ॥  
 सरब मान त्रिमान देव अभेव आदि उदार ॥  
 सरब पालक सरब घालक सरब को पुनि काल ॥  
 जत्तर तत्तर बिराजही अवधूत रूप रसाल ॥१॥ ७९ ॥  
 नाम ठाम न जाति जाकर रूप रंग न रेख ॥  
 आदि पुरख उदार मूरति अजोनि आदि असेख ॥  
 देस और न भेस जाकर रूप रेख न राग ॥  
 जत्तर तत्तर दिसा विसा हुइ फैलिओ अनुराग ॥२॥ ८० ॥  
 नाम काम बिहीन पेखत धाम हूं नहि जाहि ॥  
 सरब मान सरबत्तर मान सदैव मानत ताहि ॥  
 एक मूरति अनेक दरसन कीन रूप अनेक ॥  
 खेल खेल अखेल खेलन अंत को फिरि एक ॥३॥ ८१ ॥  
 देव भेव न जानही जिंह बेद अउर कतेब ॥  
 रूप रंग न जाति पाति सु जानई किंह जेब ॥  
 तात मात न जात जाकर जनम मरन बिहीन ॥  
 चक्कर बक्कर फिरै चतर चक्क मान ही पुरतीन ॥४॥ ८२ ॥  
 लोक चउदह के बिखै जग जापही जिंह जाप ॥  
 आदि देव अनादि मूरति थापिउ सबै जिंह थापि ॥  
 परम रूप पुनीत मूरति पूरन पुरख अपार ॥  
 सरब बिस्व रचिओ सुयंभव गड़न भंजनहार ॥५॥ ८३ ॥

कालहीन कला संजुगति अकाल पुरख अदेस ॥  
 धरम धाम सु भरम रहित अभूत अलख अभेस ॥  
 अंग राग न रंग जाकहि जाति पाति न नाम ॥  
 गरब गंजन दुसट भंजन मुकति दाइक काम ॥६॥ ८४ ॥

आप रूप अमीक अन उसतति एक पुरख अवधूत ॥  
 गरब गंजन सरब भंजन आदि रूप असूत ॥  
 अंग हीन अभंग अनातम एक पुरख अपार ॥  
 सरब लाइक सरब घाइक सरब को प्रतिपार ॥७॥ ८५ ॥

सरब गंता सरब हंता सरब ते अनभेख ॥  
 सरब सासत्र न जानही जिह रूप रंगु अरु रेख ॥  
 परम बेद पुराण जाकहि नेत भाखत नित्त ॥  
 कोटि सिंग्रित पुरान सासत्र न आवई बहु चित्त ॥८॥ ८६ ॥

### मधुभार छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

गुन गन उदार ॥ महिमा अपार ॥  
 आसन अभंग ॥ उपमा अनंग ॥१॥ ८७ ॥  
 अनभउ प्रकास ॥ निसदिन अनास ॥  
 आजान बाहु ॥ साहान साहु ॥२॥ ८८ ॥  
 राजान राज ॥ भानान भान ॥  
 देवान देव ॥ उपमा महान ॥३॥ ८९ ॥  
 इंद्रान इंद्र ॥ बालान बाल ॥  
 रंकान रंक ॥ कालान काल ॥४॥ ९० ॥  
 अनभूत अंग ॥ आभा अभंग ॥  
 गति मिति अपार ॥ गुन गन उदार ॥५॥ ९१ ॥  
 मुनि गन प्रनाम ॥ निरभै निकाम ॥  
 अति दुति प्रचंड ॥ मिति गति अखंड ॥६॥ ९२ ॥  
 आलिस्य करम ॥ आद्रिस्य धरम ॥  
 सरबा भरणाढ्य ॥ अनडंड बाढ्य ॥७॥ ९३ ॥

### चाचरी छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

गुबिंदे ॥ मुकंदे ॥ उदारे ॥ अपारे ॥१॥ ९४ ॥  
 हरीअं ॥ करीअं ॥ त्रिनामे ॥ अकामे ॥२॥ ९५ ॥



## भुजंग प्रयात छंद ॥

चत्त्र चक्क्र करता ॥ चत्त्र चक्क्र हरता ॥  
 चत्त्र चक्क्र दाने ॥ चत्त्र चक्क्र जाने ११। ९६ ॥  
 चत्त्र चक्क्र वरती ॥ चत्त्र चक्क्र भरती ॥  
 चत्त्र चक्क्र पाले ॥ चत्त्र चक्क्र काले १२। ९७ ॥  
 चत्त्र चक्क्र पासे ॥ चत्त्र चक्क्र वासे ॥  
 चत्त्र चक्क्र मानयै ॥ चत्त्र चक्क्र दानयै १३। ९८ ॥

## चाचरी छंद ॥

न सत्त्रै ॥ न मित्त्रै ॥ न भरमं ॥ न भित्त्रै ११। ९९ ॥  
 न करमं ॥ न काए ॥ अजनमं ॥ अजाए १२। १०० ॥  
 न चित्त्रै ॥ न मित्त्रै ॥ परे हैं ॥ पवित्त्रै १३। १०१ ॥  
 प्रिथीसै ॥ अदीसै ॥ अद्रिसै ॥ अक्रिसै १४। १०२ ॥

## भगवती छंद ॥ त्व प्रसादि कथते ॥

कि आछिज्ज देसै ॥ कि आभिज्ज भेसै ॥  
 कि आगंज करमै ॥ कि आभंज भरमै ११। १०३ ॥  
 कि आभिज लोकै ॥ कि आदित सोकै ॥  
 कि अवधूत बरनै ॥ कि बिभूत करनै १२। १०४ ॥  
 कि राजं प्रभा हैं ॥ कि धरमं धुजा हैं ॥  
 कि आसोक बरनै ॥ कि सरबा अभरनै १३। १०५ ॥  
 कि जगतं क्रिती हैं ॥ कि छत्रं छत्री हैं ॥  
 कि ब्रहमं सरूपै ॥ कि अनभउ अनूपै १४। १०६ ॥  
 कि आदि अदेव हैं ॥ कि आपि अभेव हैं ॥  
 कि चित्त्रं बिहीनै ॥ कि एकै अधीनै १५। १०७ ॥  
 कि रोजी रज़ाकै ॥ रहीमै रिहाकै ॥  
 कि पाक बिऐब हैं ॥ कि गैबुल गैब हैं १६। १०८ ॥  
 कि अफवुल गुनाह हैं ॥ कि शाहान शाह हैं ॥  
 कि कारन कुनिंद हैं ॥ कि रोजी दिहंद हैं १७। १०९ ॥  
 कि राज़क रहीम हैं ॥ कि करमं करीम हैं ॥  
 कि सरबं कली हैं ॥ कि सरबं दली हैं १८। ११० ॥

कि सरबत्तर मानियै ॥ कि सरबत्तर दानियै ॥  
 कि सरबत्तर गउनै ॥ कि सरबत्तर भउनै ॥१॥ १११ ॥  
 कि सरबत्तर देसै ॥ कि सरबत्तर भेसै ॥  
 कि सरबत्तर राजै ॥ कि सरबत्तर साजै ॥१०॥ ११२ ॥  
 कि सरबत्तर दीनै ॥ कि सरबत्तर लीनै ॥  
 कि सरबत्तर जाहो ॥ कि सरबत्तर भाहो ॥११॥ ११३ ॥  
 कि सरबत्तर देसै ॥ कि सरबत्तर भेसै ॥

कि सरबत्तर कालै ॥ कि सरबत्तर पालै ॥१२॥ ११४ ॥  
 कि सरबत्तर हंता ॥ कि सरबत्तर गंता ॥  
 कि सरबत्तर भेखी ॥ कि सरबत्तर पेखी ॥१३॥ ११५ ॥  
 कि सरबत्तर काजै ॥ कि सरबत्तर राजै ॥  
 कि सरबत्तर सोखै ॥ कि सरबत्तर पोखै ॥१४॥ ११६ ॥  
 कि सरबत्तर त्राणै ॥ कि सरबत्तर प्राणै ॥  
 कि सरबत्तर देसै ॥ कि सरबत्तर भेसै ॥१५॥ ११७ ॥

कि सरबत्तर मानियै ॥ सदैवं प्रधानियै ॥  
 कि सरबत्तर जापियै ॥ कि सरबत्तर थापियै ॥१६॥ ११८ ॥  
 कि सरबत्तर भानै ॥ कि सरबत्तर मानै ॥  
 कि सरबत्तर इंद्रै ॥ कि सरबत्तर चंद्रै ॥१७॥ ११९ ॥  
 कि सरबं कलीमै ॥ कि परमं फ़हीमै ॥  
 कि आकल अलामै ॥ कि साहिब कलामै ॥१८॥ १२० ॥  
 कि हुसनल वजू हैं ॥ तमामुल रुजू हैं ॥  
 हमेसुल सलामैं ॥ सलीखत मुदामैं ॥१९॥ १२१ ॥  
 गनीमुल शिकसतै ॥ गरीबुल परसतै ॥  
 बिलंदुल मकानैं ॥ ज़मीनुल ज़मानैं ॥२०॥ १२२ ॥

तमीजुल तमामैं ॥ रुजूअल निधानैं ॥  
 हरीफुल अजीमैं ॥ रज़ाइक यकीनैं ॥२१॥ १२३ ॥  
 अनेकुल तरंग हैं ॥ अभेद हैं अभंग हैं ॥  
 अज़ीजुल निवाज़ हैं ॥ गनीमुल खिराज हैं ॥२२॥ १२४ ॥  
 निरुकत सरूप हैं ॥ त्रिमुकति बिभूत हैं ॥  
 प्रभुगति प्रभा हैं ॥ सुजुगति सुधा हैं ॥२३॥ १२५ ॥  
 सदैवं सरूप हैं ॥ अभेदी अनूप हैं ॥  
 समसतो पराज हैं ॥ सदा सरब साज हैं ॥२४॥ १२६ ॥

समसतुल सलाम हैं ॥ सदैवल अकाम हैं ॥  
 त्रिबाध सरूप हैं ॥ अगाध हैं अनूप हैं ॥२५॥ १२७ ॥  
 ओअं आदि रूपे ॥ अनादि सरूपे ॥  
 अनंगी अनामे ॥ त्रिभंगी त्रिकामे ॥२६॥ १२८ ॥  
 त्रिबरगं त्रिबाधे ॥ अगंजे अगाधे ॥  
 सुभं सरब भागे ॥ सुसरबा अनुरागे ॥२७॥ १२९ ॥  
 त्रिभुगत सरूप हैं ॥ अछिज्ज हैं अछूत हैं ॥  
 कि नरकं प्रणास हैं ॥ प्रिथीउल प्रवास हैं ॥२८॥ १३० ॥  
 निरुकति प्रभा हैं ॥ सदैवं सदा हैं ॥  
 बिभुगति सरूप हैं ॥ प्रजुगति अनूप हैं ॥२९॥ १३१ ॥  
 निरुकति सदा हैं ॥ बिभुगति प्रभा हैं ॥  
 अनउकति सरूप हैं ॥ प्रजुगति अनूप हैं ॥३०॥ १३२ ॥

### चाचरी छंद ॥

अभंग हैं ॥ अनंग हैं ॥  
 अभेख हैं ॥ अलेख हैं ॥१॥ १३३ ॥  
 अभरम हैं ॥ अकरम हैं ॥  
 अनादि हैं ॥ जुगादि हैं ॥२॥ १३४ ॥  
 अजै हैं ॥ अबै हैं ॥  
 अभूत हैं ॥ अधूत हैं ॥३॥ १३५ ॥  
 अनास हैं ॥ उदास हैं ॥  
 अधंध हैं ॥ अबंध हैं ॥४॥ १३६ ॥  
 अभगत हैं ॥ बिरकत हैं ॥  
  
 अनास हैं ॥ प्रकास हैं ॥५॥ १३७ ॥  
 निचिंत हैं ॥ सुनिंत हैं ॥  
 अलिख्ख हैं ॥ अदिख्ख हैं ॥६॥ १३८ ॥  
 अलेख हैं ॥ अभेख हैं ॥  
 अढाह हैं ॥ अगाह हैं ॥७॥ १३९ ॥  
 असंभ हैं ॥ अगंभ हैं ॥  
 अनील हैं ॥ अनादि हैं ॥८॥ १४० ॥  
 अनित्त हैं ॥ सुनित्त हैं ॥  
 अजात हैं ॥ अजाद हैं ॥९॥ १४१ ॥

**चरपट छंद ॥ त्व प्रसादि ॥**

सरबं हंता ॥ सरबं गंता ॥  
 सरबं खिआता ॥ सरबं गिआता ॥१॥ १४२ ॥  
 सरबं हरता ॥ सरबं करता ॥  
 सरबं प्राणं ॥ सरबं त्राणं ॥२॥ १४३ ॥  
 सरबं करमं ॥ सरबं धरमं ॥  
 सरबं जुगता ॥ सरबं मुकता ॥३॥ १४४ ॥  
 रसावल छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

नमो नरक नासे ॥ सदैवं प्रकासे ॥  
 अनंगं सरूपे ॥ अभंगं बिभूते ॥१॥ १४५ ॥  
 प्रमाथं प्रमाथे ॥ सदा सरब साथे ॥  
 अगाध सरूपे ॥ त्रिबाध बिभूते ॥२॥ १४६ ॥  
 अनंगी अनामे ॥ त्रिभंगी त्रिकामे ॥  
 त्रिभंगी सरूपे ॥ सरबंगी अनूपे ॥३॥ १४७ ॥  
 न पोत्रै न पुत्रै ॥ न सत्त्रै न मित्रै ॥  
 न तातै न मातै ॥ न जातै न पातै ॥४॥ १४८ ॥  
 त्रिसाकं सरीक हैं ॥ अमितो अमीक हैं ॥  
 सदैवं प्रभा हैं ॥ अजै हैं अजा हैं ॥५॥ १४९ ॥

**भगवती छंद ॥ त्व प्रसादि ॥**

कि ज़ाहर ज़हूर हैं ॥ कि हाज़र अज़ूर हैं ॥  
 हमेसुल सलाम हैं ॥ समसतुल कलाम हैं ॥१॥ १५० ॥  
 कि साहिब दिमाग हैं ॥ कि हुसनल चराग हैं ॥  
 कि कामल करीम हैं ॥ कि राज़क रहीम हैं ॥२॥ १५१ ॥  
 कि रोज़ी दिहिंद हैं ॥ कि राज़क रहिंद हैं ॥  
 करीमुल कमाल हैं ॥ कि हुसनल जमाल हैं ॥३॥ १५२ ॥  
 गनीमुल खिराज हैं ॥ गरीबुल निवाज़ हैं ॥  
 हरीफ़ुल शिकंन हैं ॥ हिरासुल फिकंन हैं ॥४॥ १५३ ॥  
 कलंकं प्रणास हैं ॥ समसतुल निवास हैं ॥  
 अगंजुल गनीम हैं ॥ रजाइक रहीम हैं ॥५॥ १५४ ॥  
 समसतुल जुबां हैं ॥ कि साहिब किरां हैं ॥  
 कि नरकं प्रणास हैं ॥ बहिसतुल निवास हैं ॥६॥ १५५ ॥

कि सरबुल गवंन हैं ॥ हमेसुल रवंन हैं ॥  
 तमामुल तमीज हैं ॥ समसतुल अजीज हैं ॥७॥ १५६ ॥  
 परं परम ईस हैं ॥ समसतुल अदीस हैं ॥  
 अदेसुल अलेख हैं ॥ हमेसुल अभेख हैं ॥८॥ १५७ ॥  
 जमीनुल जमा हैं ॥ अमीकुल इमा हैं ॥  
 करीमुल कमाल हैं ॥ कि जुरअति जमाल हैं ॥९॥ १५८ ॥  
 कि अचलं प्रकास हैं ॥ कि अमितो सुबास हैं ॥  
 कि अजब सरूप हैं ॥ कि अमितो बिभूत हैं ॥१०॥ १५९ ॥  
 कि अमितो पसा हैं ॥ कि आतम प्रभा हैं ॥  
 कि अचलं अनंग हैं ॥ कि अमितो अभंग हैं ॥११॥ १६० ॥

### मधुधार चंद ॥ त्व प्रसादि ॥

मुनि मनि प्रनाम ॥ गुनि गन मुदाम ॥  
 अरि बर अगंज ॥ हरि नर प्रभंज ॥१॥ १६१ ॥  
 अन गन प्रनाम ॥ मुनि मनि सलाम ॥  
 हरि नर अखंड ॥ बर नर अमंड ॥२॥ १६२ ॥  
 अनभव अनास ॥ मुनि मनि प्रकास ॥  
 गुनि गुन प्रनाम ॥ जल थल मुदाम ॥३॥ १६३ ॥  
 अनछिज्ज अंग ॥ आसन अभंग ॥  
 उपमा अपार ॥ गति मिति उदार ॥४॥ १६४ ॥  
 जल थल अमंड ॥ दिस विस अभंड ॥  
 जल थल महंत ॥ दिस विस बिअंत ॥५॥ १६५ ॥

अनभव अनास ॥ ध्रित धर धुरास ॥  
 आजान बाहु ॥ एकै सदाहु ॥६॥ १६६ ॥  
 ओअंकार आदि ॥ कथनी अनादि ॥  
 खल खंड खिआल ॥ गुरबर अकाल ॥७॥ १६७ ॥  
 घरि घरि प्रनाम ॥ चित चरन नाम ॥  
 अनछिज्ज गात ॥ आजिज न बात ॥८॥ १६८ ॥  
 अनझंझ गात ॥ अनरंज बात ॥  
 अनटुट भंडार ॥ अनठट अपार ॥९॥ १६९ ॥  
 आडीठ धरम ॥ अतिढीठ करम ॥  
 अणब्रण अनंत ॥ दाता महंत ॥१०॥ १७० ॥

## हरि बोल मना छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

करुणालय हैं ॥ अरि घालय हैं ॥  
 खल खंडन हैं ॥ महि मंडन हैं ॥१॥ १७१ ॥  
 जगतेस्वर हैं ॥ परमेस्वर हैं ॥  
 कलि कारण हैं ॥ सरब उबारण हैं ॥२॥ १७२ ॥  
 ध्रित के ध्रण हैं ॥ जग के क्रण हैं ॥  
 मन मानिय हैं ॥ जग जानिय हैं ॥३॥ १७३ ॥  
 सरबं भर हैं ॥ सरबं कर हैं ॥  
 सरब पासिय हैं ॥ सरब नासिय हैं ॥४॥ १७४ ॥  
 करुणाकर हैं ॥ बिस्वंबर हैं ॥  
 सरबेस्वर हैं ॥ जगतेस्वर हैं ॥५॥ १७५ ॥  
 ब्रह्मंडस हैं ॥ खल खंडस हैं ॥  
 पर ते पर हैं ॥ करुणाकर हैं ॥६॥ १७६ ॥  
 अजपा जप हैं ॥ अथपा थप हैं ॥  
 अक्रिता क्रित हैं ॥ अंम्रिता म्रित हैं ॥७॥ १७७ ॥  
 अम्रिता म्रित हैं ॥ करुणा क्रित हैं ॥  
 अक्रिता क्रित हैं ॥ धरणी ध्रित हैं ॥८॥ १७८ ॥  
 अम्रितेस्वर हैं ॥ परमेस्वर हैं ॥  
 अक्रिता क्रित हैं ॥ अम्रिता म्रित हैं ॥९॥ १७९ ॥  
 अजबा क्रित हैं ॥ अम्रिता अम्रित हैं ॥  
 नर नाइक हैं ॥ खल घाइक हैं ॥१०॥ १८० ॥  
 बिस्वंबर हैं ॥ करुणालय हैं ॥  
 त्रिप नाइक हैं ॥ सरब पाइक हैं ॥११॥ १८१ ॥  
 भव भंजन हैं ॥ अरि गंजन हैं ॥  
 रिपु तापन हैं ॥ जपु जापन हैं ॥१२॥ १८२ ॥  
 अकलंकित हैं ॥ सरबा क्रित हैं ॥  
 करता कर हैं ॥ हरता हरि हैं ॥१३॥ १८३ ॥  
 परमात्म हैं ॥ सरबात्म हैं ॥  
 आत्म बस हैं ॥ जस के जस हैं ॥१४॥ १८४ ॥

## भुजंग प्रयात छंद ॥

नमो सूरज सूरजे नमो चंद्र चंद्रे ॥  
 नमो राज राजे नमो इंद्र इंद्रे ॥

नमो अंधकारे नमो तेज तेजे ॥  
नमो ब्रिंद ब्रिंदे नमो बीज बीजे ।१। १८५ ॥

नमो राजसं तामसं सांत रूपे ॥  
नमो परम तत्तं अतत्तं सरूपे ॥  
नमो जोग जोगे नमो गिआन गिआने ॥  
नमो मंत्र मंत्रे नमो धिआन धिआने ।२। १८६ ॥

नमो जुध जुधे नमो गिआन गिआने ॥  
नमो भोज भोजे नमो पान पाने ॥  
नमो कलह करता नमो सांत रूपे ॥  
नमो इंद्र इंद्रे अनादं बिभूते ।३। १८७ ॥

कलंकार रूपे अलंकार अलंके ॥  
नमो आस आसे नमो बांक बंके ॥  
अभंगी सरूपे अनंगी अनामे ॥  
त्रिभंगी त्रिकाले अनंगी अकामे ।४। १८८ ॥

### एक अछरी छंद ॥

अजै ॥ अलै ॥ अभै ॥ अबै ।१। १८९ ॥  
अभू ॥ अजू ॥ अनास ॥ अकास ।२। १९० ॥  
अगंज ॥ अभंज ॥ अलखख ॥ अभखख ।३। १९१ ॥  
अकाल ॥ दिआल ॥ अलेख ॥ अभेख ।४। १९२ ॥  
अनाम ॥ अकाम ॥ अगाह ॥ अढाह ।५। १९३ ॥  
अनाथे ॥ प्रमाथे ॥ अजोनी ॥ अमोनी ।६। १९४ ॥  
न रागे ॥ न रंगे ॥ न रूपे ॥ न रेखे ।७। १९५ ॥  
अकरमं ॥ अभरमं ॥ अगंजे ॥ अलेखे ।८। १९६ ॥

### भुजंग प्रयात छंद ॥

नमसतुल प्रणामे समसतुल प्रणासे ॥  
अगंजुल अनामे समसतुल निवासे ॥  
त्रिकामं बिभूते समसतुल सरूपे ॥  
कुकरमं प्रणासी सुधरमं बिभूते ।१। १९७ ॥

सदा सच्चिदानंद सत्त्वं प्रणासी ॥  
 करीमुल कुनिंदा समसतुल निवासी ॥  
 अजाइब बिभूते गजाइब गनीमे ॥  
 हरीअं करीअं करीमुल रहीमे ।२। १९८ ॥

चत्त्र चक्क्र वरती चत्त्र चक्क्र भुगते ॥  
 सुयंभव सुभं सरबदा सरब जुगते ॥  
 दुकालं प्रणासी दिआलं सरूपे ॥  
 सदा अंगसंगे अभंगं बिभूते ।३। १९९ ॥

((((((((((((((-----))))))))))))))